

Item Code: 641 Participant Code: 23

वयकी

है एक अच्छी थाद मन में जो इंसानों के जो दिखते हैं हंदूधनुष जैसे और नहीं होते गांशब।

> बचपनी में ना है चिता और ना है दुख होता है हमेशा दिना खनने की जनदी में।

उनका मन का अच्छार्थी रहते भैसे ब इ दं हानुष हो जो सात संग से यमकते और फैलाते हैं खुबी हुँ तस्पु ।

South Section

(Note: Graded articles may be published in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

Page No:



Item Code: 64 Participant Code: 23

आते हैं बच्चें दुनिया में आँसू की माला माँ को पहनाकर पिर माँ पहनाते बच्चों को अच्छाद्यी और खुशी की माला।

> चाहते हैं बचपन में जलकी बड़े हो जाने को जब हो जाएँगी बड़ा तो मन हाइक ते वापस आने को।

वह होती है अच्छी थाए जिसमें चाहते हुम वापस जाने किनतू क्या कर सकते हम वापस कभी म जा पाओगे।

> बरापन का जो मीठ मीठे थादें भरक से हैं मन में जैसे एक अच्छी भूद जो धूम ते हैं शांती कीलए।

(Note: Graded articles may be published in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

Page No:2



Item Code: 641 Participant Code: 23

बदल दे हंसानों के	oil
जान से खून पीने	का मन
वापस जाशिरा बचप	नी में
और बना के समाज	Eg8 & 6 18

बचपनी का इंद्र हातु । गाथव नहीं होते मन से जब जाएँगे बगवान के पास तो भी ले जाते अपनी साथ

(Note: Graded articles may be published in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).